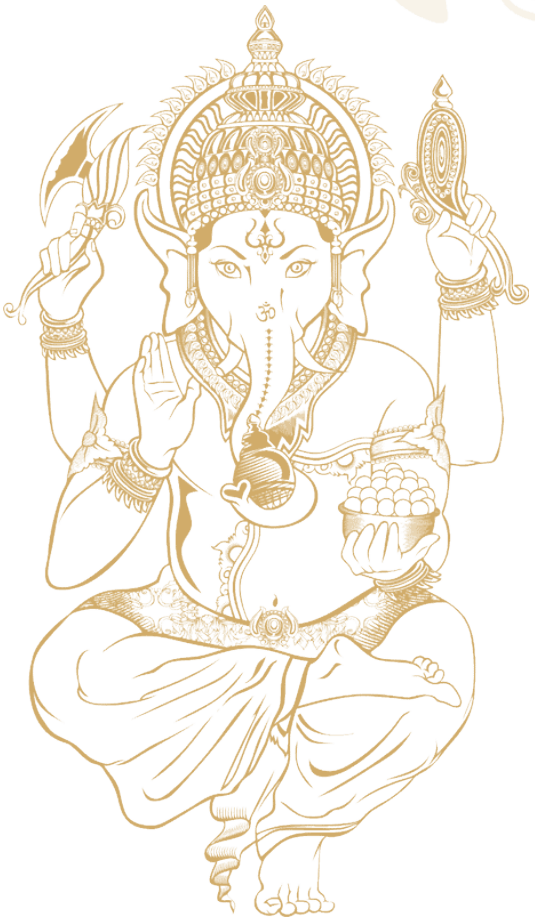

????

15 Aug 1983

06:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121143502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/08/1983**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**06:00:05 घंटे**
इष्ट	00:25:27 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:38:57 घंटे
वेलान्तर	-00:04:35 घंटे
साम्पातिक काल	03:10:23 घंटे
सूर्योदय	05:49:54 घंटे
सूर्यास्त	19:01:02 घंटे
दिनमान	13:11:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	28:00:52 कर्क
लग्न के अंश	29:22:18 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:22:18	309:59:53	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			कर्क	28:00:52	00:57:38	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			तुला	21:51:03	13:06:45	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			कर्क	07:13:38	00:38:46	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			सिंह	24:57:20	01:08:37	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	07:52:09	00:03:01	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	13:26:01	00:25:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			तुला	05:40:28	00:04:05	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	29:41:33	00:00:46	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	29:41:33	00:00:46	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	11:26:47	00:00:02	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
नेप	व		धनु	02:59:44	00:00:45	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	03:30:09	00:01:16	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	26:24:55	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:26

लग्न-चलित

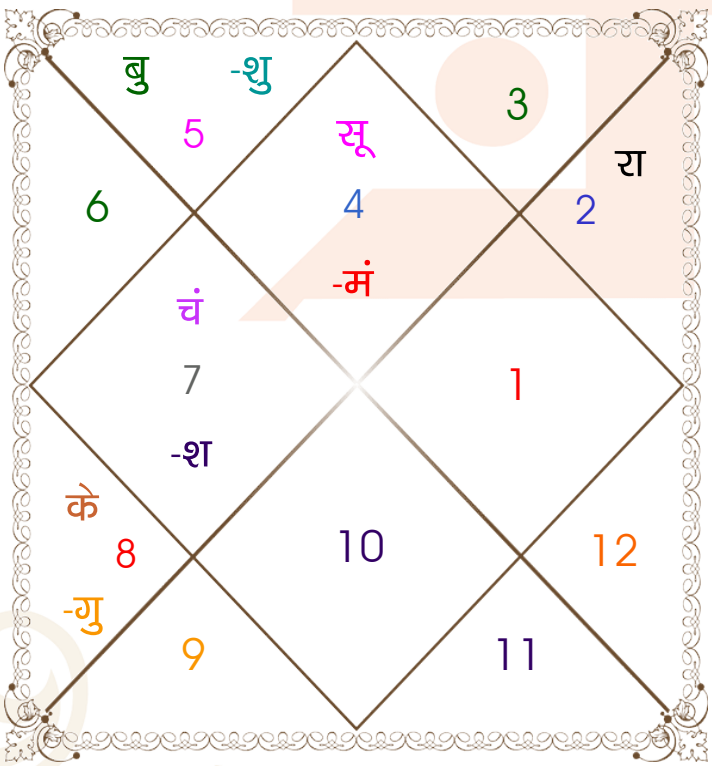

चन्द्र कुंडली

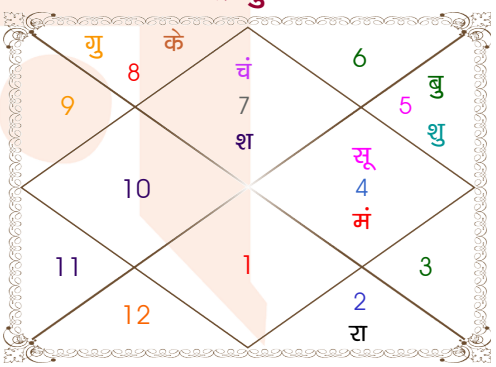

नवमांश कुंडली

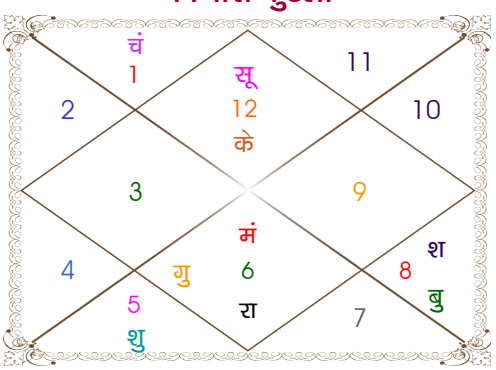

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 9 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/08/1983		26/05/1997		25/05/2016		26/05/2033		25/05/2040	
26/05/1997		25/05/2016		26/05/2033		25/05/2040		25/05/2060	
	15/08/1983	शनि	28/05/2000	बुध	22/10/2018	केतु	22/10/2033	शुक्र	25/09/2043
शनि	24/01/1986	बुध	05/02/2003	केतु	19/10/2019	शुक्र	22/12/2034	सूर्य	24/09/2044
बुध	01/05/1988	केतु	16/03/2004	शुक्र	19/08/2022	सूर्य	29/04/2035	चंद्र	26/05/2046
केतु	07/04/1989	शुक्र	17/05/2007	सूर्य	26/06/2023	चंद्र	28/11/2035	मंगल	26/07/2047
शुक्र	07/12/1991	सूर्य	28/04/2008	चंद्र	24/11/2024	मंगल	25/04/2036	राहु	26/07/2050
सूर्य	24/09/1992	चंद्र	27/11/2009	मंगल	21/11/2025	राहु	13/05/2037	गुरु	26/03/2053
चंद्र	24/01/1994	मंगल	06/01/2011	राहु	10/06/2028	गुरु	19/04/2038	शनि	25/05/2056
मंगल	31/12/1994	राहु	12/11/2013	गुरु	15/09/2030	शनि	29/05/2039	बुध	26/03/2059
राहु	26/05/1997	गुरु	25/05/2016	शनि	26/05/2033	बुध	25/05/2040	केतु	25/05/2060

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/05/2060		26/05/2066		25/05/2076		26/05/2083		27/05/2101	
26/05/2066		25/05/2076		26/05/2083		27/05/2101		00/00/0000	
सूर्य	12/09/2060	चंद्र	26/03/2067	मंगल	21/10/2076	राहु	05/02/2086	गुरु	15/07/2103
चंद्र	14/03/2061	मंगल	25/10/2067	राहु	09/11/2077	गुरु	01/07/2088	शनि	16/08/2103
मंगल	19/07/2061	राहु	25/04/2069	गुरु	16/10/2078	शनि	08/05/2091		00/00/0000
राहु	13/06/2062	गुरु	25/08/2070	शनि	25/11/2079	बुध	24/11/2093		00/00/0000
गुरु	01/04/2063	शनि	25/03/2072	बुध	21/11/2080	केतु	13/12/2094		00/00/0000
शनि	13/03/2064	बुध	25/08/2073	केतु	19/04/2081	शुक्र	12/12/2097		00/00/0000
बुध	18/01/2065	केतु	26/03/2074	शुक्र	19/06/2082	सूर्य	06/11/2098		00/00/0000
केतु	26/05/2065	शुक्र	25/11/2075	सूर्य	25/10/2082	चंद्र	08/05/2100		00/00/0000
शुक्र	26/05/2066	सूर्य	25/05/2076	चंद्र	26/05/2083	मंगल	27/05/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 9 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।